Class - VI (Hindi 2nd lang)

प्रत्यय (पाठ्यपुस्तक अभ्यास के प्रश्नोत्तर)

~~सही (✓) या गलत (✗) का चिह्न लगाइए।~~

1. (क) शब्दों के अंत में लगते हैं –
प्रत्यय (✓) उपसर्ग ( ) क्रिया ( )

(ख) प्रत्यय के भेद होते हैं –
तीन ( ) दो (✓) चार ( )

(ग) 'रिवलाड़ी' शब्द किस प्रत्यय से बना है।
रिव ( ) ला ( ) आड़ी (✓)

(घ) 'कतरनी' शब्द किस प्रत्यय से बना है।
नी (✓) ला ( ) अन ( )

2. उचित शब्दों से रिक्त स्थानों को भरिए–

(क) प्रत्यय के दो भेद होते हैं।

(ख) कृत प्रत्यय धातु के अंत में जोड़े जाते हैं।

(ग) कृत प्रत्ययों से निर्मित शब्द कृदंत कहलाते हैं।

(घ) 'ई' प्रत्यय लगाकर गर्मी शब्द बना है।

(ङ) 'भलाई' शब्द आई प्रत्यय से बना है।

3. सही वाक्यों के सामने (✓) का चिह्न गलत के सामने (✗) का चिह्न लगाइए।

(क) प्रत्यय शब्दों के अंत में लगते हैं। (✓)

(ख) प्रत्यय तीन प्रकार के होते हैं। (✗)

(ग) 'लुटेरा' कृत प्रत्यय का उदाहरण है। (✗)

(घ) लकड़हारा शब्द लकड़ प्रत्यय लगाकर बना है। (X)

(ङ) दयालु शब्द लू प्रत्यय लगाकर बना है। (X)

(5) निम्नलिखित प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाइए-

(क) औना - खिलौना, बिछौना

(ख) आव - लगाव, चढ़ाव

(ग) क - चालक, ढोलक

(घ) ईय - भारतीय, पर्वतीय

(5) निम्नलिखित शब्दों से मूलशब्द तथा प्रत्यय को अलग कीजिए-

	मूलशब्द	प्रत्यय
(क) टिकाऊ -	टिक	आऊ
(ख) चिकनाहट -	चिकना	आहट
(ग) रँगीला -	रँग	ईला
(घ) सेठानी -	सेठ	आनी

contd —

Note (क) कृत प्रत्यय से बनने वाले शब्द कृदंत कहलाते हैं -

जैसे - 1)	हँस	+	ई	=	हँसी
	(मूलशब्द) (क्रिया)		(कृतप्रत्यय)		नए शब्द (कृदंत)
2)	पढ़	+	इत	=	पठित
	(क्रिया)		(कृतप्रत्यय)		(कृदंत)
3)	लिख	+	आवट	=	लिखावट
	(क्रिया)		(कृतप्रत्यय		(कृदंत)
4)	पूज	+	अनीय	=	पूजनीय
	(क्रिया)		(कृतप्रत्यय)		(कृदंत)

(ख) तद्धित प्रत्यय से बनने वाले नए शब्द तद्धितांत कहलाते हैं।

जैसे -	मूल शब्द	+	तद्धित प्रत्यय	-	नए शब्द
1)	परिवार (संज्ञा)	+	इक	=	पारिवारिक (तद्धितांत)
2)	भारत (संज्ञा)	+	ईय	=	भारतीय (तद्धितांत)
3)	सोना (संज्ञा)	+	आर	=	सोनार (तद्धितांत)
4)	अच्छा (विशेषण)	+	आई	=	अच्छाई (तद्धितांत)
5)	मम (सर्वनाम)	+	त्व	=	ममत्व (तद्धितांत)
	——	+	०		——